फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 106 प्रभात जयपुर, सोमवार, 17 नवम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

No, Not Even Britain Will Defend Their BBC!

Trump had been attacking the BBC as a purveyor of 'fake news' through none other than the White House spokesperson

The Animal With A Fifth Leg

Beauty, Power, and Perception | Small Busts and Status in the Middle Ages

'अनुसूचित जाति आरक्षण में भी क्रीमी लेयर लागू होना चाहिये'

सीजेआई गवई ने कहा एक आईएएस अफसर के बच्चे और गरीब किसान मजदूर के बच्चे को एक स्तर पर नहीं रख सकते

■ भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि भारत का संविधान स्थिर नहीं है बल्कि एक जीवंत, विकसित होने वाला दस्तावेज है।

अमरावती, 16 नवंबर। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को कहा कि वे अब भी इस विचार के पक्ष में हैं कि अनुसूचित जातियों (एससी) को मिलने वाले आरक्षण में क्रीमी लेयर, यानी आर्थिक-सामाजिक रूप से आगे बढ़ चुके वर्ग को बाहर किया जाना चाहिए। एक कार्यक्रम, "इंडिया एंड द लिविंग इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन ऐट 75 इयर्स" में बोलते हुए उन्होंने कहा कि एक आईएएस अफसर के बच्चे और गरीब किसान मजदूर के बच्चों को एक ही स्तर पर नहीं रखा जा सकता। उनका कहना था कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचना चाहिए जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

सीजेआई गवई ने कहा कि उन्होंने अतीत में भी इंद्रा साहनी (मंडल आयोग) मामले के आधार पर यही राय दी थी कि जैसे ओबीसी समुदाय में क्रीमी लेयर की पहचान की जाती है, वैसे ही यह व्यवस्था एससी समुदाय के लिए भी होनी चाहिए, भले ही इस विचार की काफी आलोचना हुई हो। उन्होंने मुस्कराकर कहा कि न्यायाधीशों को आम तौर पर अपने फैसलों का बचाव नहीं करना चाहिए... और मेरे पास सेवानिवृत्ति तक सिर्फ एक हफ्ता ही बचा है।

उन्होंने भावुक होकर याद किया कि उनके कार्यकाल का पहला कार्यक्रम महाराष्ट्र के अपने गृह नगर अमरावती में था और आख़िरी कार्यक्रम आंध्र प्रदेश के अमरावती में, मानो उनकी यात्रा एक पूरा चक्र पूरा कर रही हो।

सीजेआई गवई ने कहा कि भारतीय संविधान स्थिर नहीं है, बल्कि एक जीवंत, विकसित होने वाला दस्तावेज है। डॉ. भीमराव आंबेडकर की सोच पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान में संशोधन की प्रक्रिया इसीलिए रखी गई ताकि समय के साथ जरूरतें बदलने पर देश आगे बढ़ सके। उन्होंने बताया कि आंबेडकर के भाषण, विशेषकर जब वे मसौदा संविधान प्रस्तुत कर रहे थे, हर कानून के विद्यार्थी को पढ़ने चाहिए। आंबेडकर के तीन शब्द- समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व- को उन्होंने भारत की सामाजिक-आर्थिक प्रगति की रीढ़ बताया।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि संविधान की वजह से ही आज भारत में दो राष्ट्रपति अनुसूचित जाति से हुए हैं और वर्तमान राष्ट्रपति एक अनुसूचित जनजाति की महिला हैं। अपनी यात्रा याद करते हुए उन्होंने कहा, अर्ध-झुग्गी जैसे इलाके और नगरपालिका स्कूल में पढ़ने वाला एक बच्चा भी जब देश की सर्वोच्च न्यायिक कुर्सी तक पहुंच सकता है, तो यह संविधान की ही ताकत है।

बीस नवम्बर को हो सकता है बिहार के मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण

पटना, 16 नवंबर। पटना के गांधी मैदान में 20 नवंबर (गुरुवार)को मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है। शपथ समारोह में पीएम मोदी के आने की संभावना है। ये जानकारी सूत्रों के हवाले से आई है। कहा जा रहा है कि शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। हालांकि, अभी सीएम के नाम का ऐलान नहीं किया गया है।

सूत्रों के अनुसार माना जा रहा है कि नीतीश कुमार सीएम पद की शपथ

■ पटना के गांधी मैदान में तैयारियां शुरु हो गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के भी आने की संभावना।

लेंगे। इस बीच यह भी जानकारी सामने आई है कि सोमवार सुबह 11:30 बजे नीतीश कैबिनेट की आखिरी बैठक होगी। बैठक में सरकार के इस्तीफे का प्रस्ताव पास किया जाएगा। इसके बाद नीतीश कुमार राज्यपाल से मिलकर इस्तीफा देंगे। इसके बाद नई सरकार के गठन का प्रस्ताव पेश करेंगे।

पटना में जेडीयू के राष्ट्रीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली ब्लास्ट में शामिल आई-20 का मालिक आमिर गिरफ्तार

आमिर जम्मू-कश्मीर में संबूरा का रहने वाला है तथा उसने डॉ. उमर के साथ विस्फोट की साजिश रची थी

■ एनआईए ने रविवार को दिल्ली विस्फोट के सिलसिले में हिरासत में लिये गए तीन डॉक्टरों सहित चार लोगों को रिहा कर दिया। जांच में इनका मुख्य आरोपी डॉ. उमर नबी से कोई ठोस संबंध नहीं पाया गया।

नई दिल्ली, 16 नवंबर। दिल्ली लाल किला ब्लास्ट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी को बड़ी सफलता हाथ लगी है। एनआईए ने आई20 कार के मालिक आमिर राशिद को गिरफ्तार कर लिया है।

आमिर ने ही डॉ. उमर के साथ मिलकर दिल्ली को दहलाने की खतरनाक साजिश रची थी। आमिर जम्मू-कश्मीर के पंपोर के संबूरा का रहने वाला है। एनआईए ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि आत्मघाती हमलावर ने कार में धमाके के लिए आईईडी का इस्तेमाल किया था। जिसमें 13 लोगों की जान चली गई थी और 32 लोग घायल हो गए थे।

जानकारी के मुताबिक विस्फोट में इस्तेमाल की गई कार आमिर के नाम पर रजिस्टर्ड थी। जांचकर्ताओं का कहना है कि वह वाहन खरीदने में मदद के लिए दिल्ली गया था।फोरेंसिक जांच से पता चला है कि मृत चालक की पहचान डॉ. उमर उन नबी के रूप में हुई है, जो फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय के जनरल मेडिसिन विभाग में सहायक प्रोफेसर और पुलवामा जिले का रहने वाला था। एनआईए ने नबी का एक और वाहन भी जब्त कर लिया है, जिसकी अब सबूतों के लिए जांच की जा रही है।

अधिकारियों के मुताबिक एनआईए ने रविवार को दिल्ली लाल किला विस्फोट के सिलसिले में हिरासत में लिए गए तीन डॉक्टरों सहित चार लोगों को रिहा कर दिया, क्योंकि जांच में मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी से उनका कोई ठोस संबंध नहीं पाया गया।

दिल्ली पुलिस, हरियाणा पुलिस, उत्तर प्रदेश पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर काम करते हुए, कई घायलों सहित 73 गवाहों से पूछताछ की है। कई राज्यों में जांच जारी है क्योंकि अधिकारी व्यापक साजिश का पर्दाफाश करने और हमले में शामिल सभी लोगों की पहचान करने के लिए सुरागों की तलाश कर रहे हैं।

कांग्रेस एस.आई.आर. के खिलाफ आंदोलन तेज करने की तैयारी में

रणनीति बनाने के लिये 12 राज्यों के नेताओं को 18 नवम्बर को दिल्ली बुलाया

■ खड़गे और राहुल गांधी द्वारा ली जाने वाली बैठक में तमिलनाडु, केरल, प.बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, पडुचेरी, अंडमान-निकोबार व लक्षद्वीप के नेताओं को बुलाया गया है।

नयी दिल्ली, 16 नवंबर। बिहार में हार के बाद कांग्रेस पार्टी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2.0 वाले राज्यों के नेताओं को दिल्ली बुलाया है क्योंकि पार्टी अब नयी रणनीति के साथ जनता के बीच जाना चाहती है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार मंगलवार 18 नवंबर को सुबह इंदिरा भवन में तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ , गोवा, गुजरात, पुडुचेरी, अंडमान, निकोबार द्वीप और लक्षद्वीप के पार्टी नेताओं को दिल्ली बुलाया गया है। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे करेंगे और इसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल मौजूद रहेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार कांग्रेस एसआईआर मामले को लेकर जनता के बीच नयी रणनीति के तहत जाना चाहती है। क्योंकि मतदाता सूची पुनरीक्षण 2.0 वाले 12 राज्यों में से तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। यही वजह है कि बिहार में मिली हार के बाद पार्टी इन राज्यों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है।

सूत्रों ने बताया कि इंडिया गठबंधन आगामी लोकसभा सत्र में भी एसआईआर पर जोरदार हंगामा करने की तैयारी में हैं। इस मामले को लेकर नवंबर के अंतिम सप्ताह में कांग्रेस पार्टी दिल्ली की रामलीला मैदान में बड़ी रैली करने की तैयारी में है।

गौरतलब है कि एसआईआर 2.0 कार्यक्रम शुरू हो चुका है और यह 4 दिसंबर तक चलेगा। चुनाव आयोग 9 दिसंबर को प्रारूप मतदाता सूची जारी करेगा और अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी, 2026 को जारी की जायेगी।

जोधपुर में स्कॉर्पियो ने 3 साल के मासूम को कुचला

जोधपुर, 16 नवम्बर (कासं)। जोधपुर में सड़क पर खेल रहे 3 साल के मासूम को स्कॉर्पियो ने कुचल दिया। गाड़ी का पिछला पहिया बच्चे के सीने के ऊपर से निकल गया, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई।

आसपास खेल रहे बच्चे दौड़कर आए और सड़क पर पड़े मासूम को

■ पुलिस ने एसयूवी की पहचान कर ली है तथा ड्राइवर को पकड़ने का प्रयास कर रही है।

उठाने लगे, लेकिन वह नहीं उठा। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कार बच्चे को कुचलकर जाते हुए दिख रही है। हादसा रविवार सुबह 11.30 बजे कुड़ी भगतासनी थाना क्षेत्र की केके कॉलोनी में हुआ। पुलिस ने एसयूवी की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली विस्फोट में किस विस्फोटक उपकरण का उपयोग हुआ?

पुलिस विश्लेषण कर रही है कि क्या डॉ. उमर नबी ने वीबीआईईडी का इस्तेमाल किया था?

■ जांच में यह बात सामने आई है कि डॉ. उमर नबी जिस आई-20 कार को चला रहा था, वह वीबीआईईडी हो सकती है क्योंकि वह पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इस कार को लेकर घूम रहा था, पर किसी को भी उस कार में बम होने का पता नहीं चला।

नयी दिल्ली, 16 नवंबर। लाल किले के पास सोमवार को हुए कार विस्फोट मामले में जाँच एजेंसियां इस पहलू से भी विश्लेषण कर रही हैं कि क्या वह विस्फोट कथित आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी द्वारा इस्तेमाल किए गए वाहन जनित परिष्कृत विस्फोटक उपकरण(वीबीआईईडी) से हुआ था। डॉ. उमर उस कार को चला रहा था और उस विस्फोट में तेरह लोग मारे गए थे और चौबीस घायल हुए थे।

उस विस्फोट में डॉ. उमर भी मारा गया था और स्टीयरिंग व्हील तथा इंजन के बीच एक पैर के टुकडे तथा उसकी मां के डीएनए नमूने से जांच की गयी थी। इस जांच में दोनों डीएनए नमूने आपस में मेल खा रहे थे।

जांच एजेंसी सूत्रों ने बताया कि वे इस बात की जाँच कर रहे हैं कि जिस आई- 20 कार को डॉ. उमर नबी चला रहा था वह वीबीआईईडी हो सकती है क्योंकि वे पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इस कार को लेकर घूम रहा था और उसमें बम होने का पता ही नहीं चला।

सूत्रों के अनुसार एक वीबीआईईडी कार कुछ सुरक्षा परतों को पार कर सकती है जो आमतौर पर पैदल यात्री नहीं कर पाते हैं। यह कई सीमाओं को पार करते हुए लाल किले जैसे खतरनाक लक्ष्य के बहुत करीब पहुँच सकती है।

सूत्रों ने बताया "एक वीबीआईईडी विनाश के संदर्भ और पैमाने को तुरंत बदल देता है। यह सिर्फ़ एक बम नहीं है; यह एक विशिष्ट प्रकार की हथियार प्रणाली है जिसके बहुत ही घातक परिणाम हो सकते हैं। वीबीआईईडी एक गतिशील, बड़े आकार का बम होता है जिसे किसी खास बड़े लक्ष्य के करीब एक भारी विस्फोटक सामग्री (पेलोड) पहुँचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। वाहन का डिजाइन और प्रकार इसके विनाशकारी प्रभाव और बढ़ा देता है।"

सूत्रों के अनुसार लाल किले में हुए विस्फोट का प्रभाव इतना ज़ोरदार था कि इसकी आवाज़ आईटीओ तक सुनी गयी थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसने धरती को 40 फीट की गहराई तक हिला दिया। एक वीबीआईईडी सैकड़ों या हज़ारों पाउंड विस्फोटक ले जा सकता है जिससे ऐसा विस्फोट हो सकता है।

सूत्र ने कहा, "यह मज़बूत इमारतों को ध्वस्त कर सकता है, वाहनों को पलट सकता है, और एक बड़े क्षेत्र में बुनियादी ढाँचे को विनाशकारी नुकसान पहुँचा सकता है और दिल्ली विस्फोट में भी यही हुआ। अपराधी अक्सर हताहतों की संख्या बढ़ाने के लिए वाहन में गैस सिलेंडर के साथ साथ नुकीली वस्तुएं भी भर देते हैं ताकि लोगों को गंभीर चोटें आएं।

सूत्र ने बताया कि घटनास्थल पर कोई डेटोनेटर नहीं मिला, जिसकी उन्हें तलाश थी। इससे यह भी संकेत मिलता है कि यह एक वीबीआईईडी था। लाल किले के बाहर विस्फोट के तुरंत बाद भीषण आग लग गई जो वीबीआईईडी हमले में आम बात है।

एजेंसियों के एक अधिकारी ने कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शेख हसीना पर फैलसे से पहले ढाका में सुरक्षा कड़ी की

ढाका, 16 नवंबर। बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ दायर एक मामले में अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) द्वारा सोमवार को फैसला सुनाए जाने के मद्देनजर ढाका और आसपास के जिलों में सुरक्षा व्यवस्था बहुत कड़ी की गई है।

पुलिस, सेना और बॉर्डर गार्ड बंगलादेश (बीजीबी) ने विशेष रूप से सरकारी भवनों, सचिवालय और

■ अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण शेख हसीना के खिलाफ एक मामले में सोमवार को फैसला सुनायेगा।

न्यायाधिकरण परिसर के पास अतिरिक्त जांच चौकियां स्थापित की हैं।

अधिकारियों ने हाल ही में आगजनी और देसी बम विस्फोटों में वृद्धि की सूचना दी है जिससे जनता की चिंताएं और बढ़ गई हैं। सरकार ने जहां शांति की अपील की है वहीं छात्र संगठनों और विपक्षी राजनीतिक समूहों ने स्थिति को अस्थिर करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ चेतावनी दी है। अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियों पर अभी भी प्रतिबंध लगा हुआ है, उसने पहले 13 नवंबर को "ढाका लॉकडाउन" की घोषणा की थी, ताकि वह अपने वरिष्ठ नेताओं की गिरफ्तारी एवं राजनीतिक रूप से प्रेरित मुकदमों के विरोध में प्रदर्शन कर सके। गृह मंत्रालय ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को आदेश दिया है कि वे फैसले से पहले के दिनों में अधिकतम अलर्ट पर रहें।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रोहिणी के बाद लालू यादव की तीन और बेटियां अचनाक दिल्ली रवाना

परिवार के सूत्र इसे पहले से तय यात्रा बता रहे हैं, पर रोहिणी विवाद के दूसरे दिन इसे संयोग नहीं माना जा रहा

■ अब पटना में राबड़ी देवी का आवास, जो राजद की राजनीति का केन्द्र है, लगभग खाली हो गया है। केवल लालू यादव, राबड़ी देवी व बड़ी बेटी मीसा भारती घर में रह गये हैं। तेजस्वी यादव सार्वजनिक चुप्पी में हैं तथा अपना अधिकतर समय राबड़ी आवास के बाहर बिता रहे हैं।

पटना, 16 नवंबर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राजद को मिली करारी हार के बाद लालू प्रसाद यादव के परिवार में चल रहा तनाव अब सार्वजनिक और बेहद गंभीर रूप ले चुका है। रोहिणी आचार्य द्वारा राजनीति और परिवार से नाता तोड़कर पटना छोड़ने के 24 घंटे के भीतर ही रविवार को लालू यादव की तीन और बेटियां, रागिनी यादव, चंदा यादव और राजलक्ष्मी यादव भी पटना में स्थित सरकारी आवास, 10 सर्कुलर रोड, छोड़कर दिल्ली रवाना हो गईं।

सुबह से ही राबड़ी आवास पर गतिविधियां बढ़ी हुई थीं। शाम तक तीनों बेटियां अपने बच्चों और सामान के साथ पटना एयरपोर्ट पहुंचीं और बिना किसी टिप्पणी के दिल्ली के लिए रवाना हो गईं। परिवार के करीबी सूत्र यह कह रहे हैं कि यह पहले से तय यात्रा हो सकती है, लेकिन रोहिणी विवाद के अगले ही दिन इस कदम को एक संयोग मानना कठिन है।

इन तीन बेटियों के दिल्ली जाने के बाद, पटना स्थित राबड़ी देवी का आवास, जो राजद की राजनीति का केंद्र है, अब लगभग खाली हो गया है। अब वहां केवल लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और उनकी बड़ी बेटी मीसा भारती (राज्यसभा सांसद) रह गई हैं। तेजस्वी यादव लगातार सार्वजनिक चुप्पी में हैं और राबड़ी आवास के बाहर ही अपना अधिक समय बिता रहे हैं।

रोहिणी आचार्य ने शनिवार और रविवार को सोशल मीडिया पर कई भावुक पोस्ट डालते हुए आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव और रमीज़ ने उन्हें अपमानित किया, गालियां दीं और चप्पल उठाकर धमकाया। उन्होंने कहा कि उन्हें मायके से जबरन निकाल दिया गया और अनाथ कर दिया गया।

रोहिणी आचार्य ने कहा कि उनके माता-पिता और बहनें उनके अपमान के कारण रो रहे थे, इसके बावजूद उन्हें अपने पैतृक घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने मायके से सारे रिश्ते तोड़ने पर मजबूर किया गया और अनाथ की तरह परिवार और घर छोड़ना पड़ा। उन्होंने एक भावुक अपील में लिखा कि किसी भी बेटी को वह सब कुछ नहीं सहना पड़े जो उन्होंने सहा और उम्मीद करती हैं कि कोई भी घर अपनी बेटी या बहन को उस तरह से कष्ट न सहते देखे।

रोहिणी ने अपने पोस्ट में लिखा कि "कल एक बेटी, एक बहन, एक शादीशुदा महिला, एक माँ को जलील किया गया, गंदी गालियाँ दी गयीं, मारने के लिए चप्पल उठाया गया, मैंने अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया, सच का समर्पण नहीं किया, सिर्फ और सिर्फ इस वजह से मुझे बेइज्जती झेलनी पडी .. कल एक बेटी मजबूरी में अपने रोते हुए माँ बाप बहनों को छोड़ आयी, मुझसे मेरा मायका छुड़वाया गया.. मुझे अनाथ बना दिया गया. आप सब मेरे रास्ते कभी ना चलें, किसी घर में रोहिणी जैसी बेटी - बहन पैदा ना हो।"

पार्टी से पहले ही अलग-थलग चल रहे तेज प्रताप यादव ने बहन रोहिणी के समर्थन में तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, "मैं अपना अपमान सह सकता हूं, बहन का नहीं, अब भगवान कृष्ण का सुदर्शन चक्र चलेगा।" उन्होंने रोहिणी आचार्य को अपनी नई पार्टी जनशक्ति जनता दल का राष्ट्रीय संरक्षक बनने का ऑफर भी दिया है।

आसियान राजनयिकों का दल 3 दिन भोपाल में रहेगा

भोपाल, 16 नवम्बर। आसियान देशों के उच्च स्तरीय राजनयिकों का प्रतिनिधिमंडल 18 से 20 नवम्बर तक तीन दिवसीय भोपाल प्रवास पर रहेगा। इस दौरान वे राज्यपाल और मुख्यमंत्री से भेंट करेंगे, निवेश संगोष्ठी में शामिल होंगे और मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों का अवलोकन करेंगे। यह दौरा मध्यप्रदेश और आसियान देशों के

■ यह दल राज्यपाल व मुख्यमंत्री से मिलेगा तथा एक निवेश संगोष्ठी में भाग लेगा।

बीच आर्थिक, औद्योगिक, निवेश और सांस्कृतिक सहयोग को मजबूत बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

प्रतिनिधिमंडल 18 नवम्बर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात करेगा। बैठक में प्रदेश के निवेश-अनुकूल वातावरण, औद्योगिक नीति, आईटी, मैन्युफैक्चरिंग, एग्री-प्रोसेसिंग, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर चर्चा होगी। मुख्यमंत्री द्वारा प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में रात्रिभोज भी आयोजित किया गया है। 19 नवम्बर को प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल मंगूभाई पटेल से शिष्टाचार भेंट करेगा। इसके बाद होटल कोर्टयार्ड मैरियट में आयोजित ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट सेमिनार में शामिल होने के बाद साँची और भीमबेटका जैसे विश्व धरोहर स्थलों का भ्रमण कर मध्यप्रदेश की प्राचीन सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों से रूबरू होगा। 20 नवम्बर को प्रतिनिधि मण्डल इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय और जनजातीय संग्रहालय का अवलोकन करेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)